EPC-2 Drama and Art in Education

Q.1 What is the need of Art experience? Describe the learning process of child.
कला अनुभव क्यों आवश्यक है? बच्चों के सीखने की प्रक्रिया के संदर्भ में समझाएँ।

Ans:- कला अनुभव एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें बच्चे को विभिन्न कलाओं जैसे → चित्रकला, संगीत, नृत्य इत्यादि के माध्यम से परिचय कराना आवश्यक है क्योंकि कला एक एकीकृत प्रक्रिया है जिससे बच्चे को सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में शरीर, मन और मस्तिष्क की जुड़ाव होती है। बच्चे इच्छानुसार इन क्षेत्रों को चुनते है और कला अनुभव रोचक रूपों में प्राप्त करते है। साथ ही शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को भी प्रभावी बनाने में कला का योगदान होता है। कला का उपयोग हर विषयों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूपों से होता है।

हम जानते है कि शिक्षा का मतलब समग्र विकास होता है और बच्चों का समग्र विकास आवश्यक है साथ ही बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में यह कला अनुभव रूचि को बढ़ाती है। साथ ही यह अभिव्यक्ति और प्रदर्शित तथा नैतिक विकास में एक अंग के रूप में कार्य करता है। कला अनुभव में इस्तेमाल की जाने वाली बहुत से ऐसे सामग्री है जिसको एकत्रित करने से ही बच्चों में रूचियाँ बढ़ जाती है और रोचकता के साथ एकत्रित व्यवस्था से जुड़कर आगे बढ़ते है। और कला-अनुभव

कक्षा व विद्यालय का भी सहज-सुलभ और मौलिकतायुक्त समानता को प्रदान करता है। यह एक ऐसी गतिविधि है जिसकी दक्षता स्वतंत्रता व अभिव्यक्ति की एक अभिन्न अंगों के रूप में प्राप्त करती है, यह प्राप्ति अनेक रूपों से होती है जो किसी विषयवस्तु आधारित तथ्यात्मक ज्ञान करते हैं तो सीखने-सीखाने की प्रक्रिया उतनी प्रभावी नहीं होती जितनी की होनी चाहिए इसलिए वस्तु व घटनाओं के घटित दृश्य को भी एक संवादीय रूपों में प्राप्त करने के लिए कला का ज्ञान आवश्यक है। चूँकि कला शिक्षा में सीखने सीखाने की प्रक्रिया में प्रकृति के साथ संबंध बनाकर समाजिकता को अंतर्निहित करता है जिससे प्रकृति और समाज के प्रति संवेदनशीलता की भावना का विकास होता है। प्रारंभिक स्तर पर देखा जाय तो अधिगम की प्रक्रिया कलात्मक रूपों से ही प्रारंभ होती है और इसी कारण के माध्यम से बच्चे अधिगम से सीखने-सीखाने के रूप में जुटते हैं और इन्हीं रचनात्मक कार्यों के कारण वे स्वयं ही उत्सुकता से कार्य करते हैं। जैसे-पेन्टिंग करना या देखकर चित्रों का निर्माण करना। यह प्रक्रिया आगे चलकर बच्चों में अन्तर्निहित प्रक्रिया को एक पहचान के रूप में निखारने का काम करता है। यह शैक्षणिक रूपों की समानता को भी कलात्मक ढंग से सौंदर्ययुक्त मूल्य के रूप में विकसित करती है। यह अधिगम के शैक्षणिक आयामों के व नवाचारों के रूप में भी शिक्षण प्रक्रिया को आगे बढ़ाती है।

बच्चों को सीखने-सीखाने के विभिन्न स्वरूपों को सहज रूप से आसानी से प्राप्त होती है। यह कार्य पूर्णतः रचनात्मक होती है साथ ही यह सामूहिक व भागीदारी प्रक्रिया के रूप में भी जोड़ने का कार्य करती है। यह सहपाठियों की पहचान और लोगों के बीच स्वतंत्र रूप में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्राप्त कराती है।

कला-अनुभव शैक्षणिक भ्रमण तथा कलाकृतियाँ प्रदर्शन तथा बच्चों में कौशल-विकसित करने का कार्य करती है। कला अनुभव स्वतंत्र चिंतन और सृजनशीलता तथा सामाजिक व्यक्तित्व का भी निर्माण कला के माध्यम से प्राप्त कराती है। यह प्रयोगात्मक प्रक्रियाओं को एक एकीकृत अधिगम का महसूस कराती है और सीखने-सीखाने की प्रक्रिया में इंद्रियों के इस्तेमाल और महत्व को भी सिखाने का कार्य करती है। इसके द्वारा ही बच्चों में समझ विकास की प्रक्रिया व सोचने-विचारने की शक्ति एकाग्रता से प्राप्त होने लगती है साथ ही यह स्व अधिगम को भी विकसित करने का अनुभव कराती है।